**Shri D. R. Chavan:** That is a different question.

**चुनाव संबंधी व्यय के ब्यौरे**

+

*232. **श्री विभूति मिश्र :**
**श्री क० ना० तिवारी :**
**श्री एस० के० सम्बन्धन :**

क्या विधि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात का पता है कि समद सदस्यो को अपने विस्तृत निर्वाचन क्षेत्रो मे अपने जोरदार चुनाव अभियान के दौरान अपने चुनाव सम्बन्धी व्यय का ठीक ठीक हिसाब रखना कठिन होता है ; और

(ख) यदि हा, तो क्या सरकार का विचार चुनाव सम्बन्धी व्यय के नियमो को समाप्त करने अथवा उनमे संशोधन करने का है ?

**The Deputy Minister in the Ministry of Law (Shri D. R. Chavan):**

(a) The requirement to maintain an account of election expenses from day to day and to lodge a copy of the account with the appropriate election officer within he prescribed period has been in he Elecion Law from the beginning. No special difficulty in this respect has been brought to the notice of Government

(b) Does not arise.

**श्री विभूति मिश्र :** आपके ऊपर लिखा हुआ है "धर्म चक्र प्रवर्तनाय" । हम सभी लोक सभा के लिए चुन कर आए हैं । क्या हम मे से कोई आदमी ईमानदारी के साथ कह सकता है कि जिस तरह से चुनाव की सरगर्मी रहती है उस सरगर्मी मे चाहे उम्मीदवार के लिए और चाहे उसके जो आदमी रहते हैं, उनके लिए यह सम्भव रहता है कि वे खर्च का हिसाब रख सके ? यदि नही रख सकते हैं तो क्या यह सही नही है कि धर्म चक्र प्रवर्तनाय के सामने हमें सब को झूठ बोलना पड़ता है ? इन कठिनाइयों को देखते हुए क्या सरकार इलैक्शन एक्सपेंसिस दाखिल करने का जो रिवाज है उसको हटा देना उचित नहीं समझती है ?

**Shri D. R. Chavan:** No, Sir.

**श्री विभूति मिश्र :** क्या सरकार इसको रख कर सभी सदस्यों को जो चुनाव लड़ते हैं झूठे रिटर्न दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित नही कर रही है ?

**Shri D. R. Chavan:** It is not correct to say that the candidates contesting in the election would be instigated to lodge false returns.

**श्री विभूति मिश्र :** अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना हूं कि यह सही नही है कि बड़े बड़े लोग एक, लाख दो लाख तक खर्च कर देते हैं लेकिन रिटर्न मे .

**अध्यक्ष महोदय :** सब लोगो को यह मालूम है । लेकिन क्या किया जा सकता है । श्री तिवारी ।

**श्री क० ना० तिवारी :** जब सब लोग करते है और सरकार एनडमेंट नही कर पा रही है तो मुझे कोई सवाल नही पूछना है ।

**श्री कंवर लाल गुप्त :** आपके कहने के बाद मै समझता हू कि अब और सवाल पूछने की जरूरत नही रह जाती है ।

**Mr. Speaker:** They will have to devise ways and means to stop it. Now you know it and they also know it that the expenses go beyond that limit

**Shri Kanwarlal Gupta:** He is denying it.

**Shri S. K. Sambandhan:** Since everybody knows that the election expenses are much more than the limit prescribed, why should we allow this false thing and mockery which is to continue? Why not Government realise the position and come out to do away with the submission of the return of election expenses?